सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन नं. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 13 अंक -363 | 07 जून 2025,शनिवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

जंगल में जुआरियों पर पुलिस की रेडः1.30 लाख कैश, 16 मोबाइल और 5 बाइक जब्त; 16 गिरफ्तार

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा पुलिस ने डीएसटी के साथ मिलकर ताश के पत्तों जुआ खेलते हुए बड़ी संख्या में जुआरियों को गिरफ्तार कर कैश बरामद किया है। मामला शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र का है, डीएसटी को प्रताप नगर थाना क्षेत्र के मानसरोवर झील के पीछे जंगल में जुआ खेलने का इनपुट मिला था,इस पर डीएसटी ने प्रताप नगर थाना पुलिस के साथ मिलकर मौके पर पहुंच दबिश दी।

1.30 लाख कैश, 16 मोबाइल ,5 बाइक जब्त - पुलिस को यहां 16 व्यक्ति ताश पत्ती पर जुआ खेलते मिले जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।इनके पास से 16 मोबाइल फोन और 5 बाइक जब्त की साथ ही मौके से 1.30 लाख कैश बरामद किया है पुलिस ने इन सभी को गिरफ्तार कर लिया है और इन पर गेमिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने गई टीम में प्रताप नगर थाने के एएसआई शिवराज, हेड कॉन्स्टेबल कालूराम, कॉन्स्टेबल बनवारी, महेश और असलम शामिल रहे।

इनको किया गिरफ्तार – पुलिस ने ताश पत्तों पर जुआ सट्टा खेलते हुए मोहम्मद वारिस ,मोहम्मद रफीक, आसिफ शेख, मोहम्मद सोहेल, साहिल खान, अब्दुल वाहिद, मोहम्मद सदीक, इब्राहिम हुसैन, मोहम्मद रफीक, अब्दुल लतीफ, फारुक खान, शाहरुख छिपा, अशोक खटीक, हबीब खान, मोहम्मद सैयद अली और वसीम अख्तर को गिरफ्तार किया है।

कलेक्टर टीना डाबी ने लगाई झाड़ू, व्यापारियों से भी लगवाई

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

बाड़मेर जिला कलेक्टर ने टीबा डाबी ने नवो बाड़मेर अभियान के तहत शनिवार को शहर में झाड़ू लगाई। कलेक्टर ने फावड़े से गंदगी भी उठाई। सड़कों पर फैले गुटखे के पाउच इकट्?ठे किए। करीब चार घंटे तक चले सफाई अभियान में तीन टीमों ने श्रमदान किया।

इनमें एनसीसी कैडेट्स, तनोट डिफेंस एकेडमी, मरू गूंज संस्थान, कैमिस्ट एसोसिएशन शामिल रहे। कलेक्टर की अपील पर दुकानदारों ने भी अपनी-अपनी दुकानों के बाहर झाड़ू लगाई-सफाई की और हमेशा सफाई रखने का वादा किया।अभियान के पहले दिन शनिवार को चौहटन सर्किल से एचपी पेट्रोल पंप सुभाष चौक तक सफाई की गई। यहां आईएएस रवि कुमार के निर्देशन में तनोट डिफेंस एकेडमी और मरु गूंज संस्थान बाड़मेर ने साफ-सफाई का जिम्मा संभाला।

दूसरी टीम ने सुभाष चौक से रेलवे स्टेशन तक सफाई की। यहां कॉलेज एनसीसी कैडेट्स ने सफाई की। रेलवे स्टेशन से पीडब्लूडी डाक बंगला विवेकानंद सर्किल तक एसडीएम विरमाराम के निर्देशन में कैमिस्ट एसोसिएशन बाड़मेर ने सफाई कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सफाई अभियान में नगर परिषद के सफाई कर्मी भी साथ रहे। सफाई अभियान में कलेक्टर टीना डाबी सुबह करीब 7 बजे अहिंसा सर्किल पहुंचीं। खुद झाड़ू और फावड़ा लेकर सफाई अभियान में जुटीं। जिला परिषद सीईओ आईएएस रवि कुमार, एसडीएम राजेंद्र सिंह चांदावत, एसडीएम वीरमाराम, अतिरिक्त विकास अधिकारी ओंकारदान सहित प्रशासनिक अधिकारी भी उनके साथ सफाई में जुटे। कलेक्टर ने अहिंसा सर्किल पर किसान छात्रावास के आगे दुकानदार को साफ-सफाई रखने की अपील की और दुकानदारों से भी झाड़ू लगवाई। बाड़मेर की जिला कलेक्टर नियुक्त किए जाने के बाद से ही टीना डाबी नवो बाड़मेर अभियान चला रही हैं। इसके तहत सफाई अभियान, मरु उड़ान अलग-अलग प्रोग्राम शुरू किए गए। जिसमें विकलांगों के लिए सर्टिफिकेट, महिलाओं के लिए रोजगार के लिए सहित प्रोग्राम किए थे। इस कड़ी में शनिवार को सफाई की गई।

राजस्थान के 4 जिलों में 3-दिन लू चलने का अलर्ट

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर थमने के बाद अब तापमान फिर से चढ़ने लगा है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने राज्य में 8 जून से गर्मी के तेवर और तेज होने, पारा 45 डिग्री के पार जाने, हीटवेव (लू) चलने की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

वहीं, कोटा, जयपुर, गंगानगर, चूरू समेत कई शहरों में शुक्रवार को दिन का तापमान 2 से लेकर 6 डिग्री तक चढ़ गया। बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर में अधिकतम तापमान 43 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटे के दौरान कोटा संभाग को छोड़कर शेष सभी जिलों आसमान साफ रहा। दिन में धूप रही। कुछ जिलों में तेज गर्मी के कारण तापमान 43 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही, जहां का अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री दर्ज हुआ। जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री दर्ज हुआ। कोटा में 42.1 डिग्री, जोधपुर में 41.4 डिग्री, गंगानगर में 41.8 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 41.5 डिग्री, पाली में 40.6 डिग्री, जालोर में 40 डिग्री, चूरू में 40.2 डिग्री और भीलवाड़ा में अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री दर्ज हुआ।

जयपुर में शुक्रवार को दिनभर आसमान साफ रहा और हल्की धूप रही। यहां दिन का तापमान शुक्रवार को करीब 5 डिग्री बढ़कर 39.8 डिग्री पर पहुंच गया। देर शाम को यहां हल्की सुहावनी हवा चली। तापमान में गिरावट हुई। कोटा संभाग में देर शाम छाए बादल कोटा संभाग के कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़ के अलावा चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर के एरिया में शाम को आसमान में बादल छाए। यहां कुछ जगह हल्की धूलभरी हवा चली। इससे पहले कोटा, चित्तौड़गढ़ में दिनभर धूप रही। गर्मी, उमस का वातावरण रहा।

इन जिलों में गर्मी का येलो अलर्ट मौसम केन्द्र जयपुर ने राज्य में शनिवार को मौसम साफ रहने और तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। जबकि 8 से 10 जून तक बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू जिलों के लिए हीटवेव चलने और तेज गर्मी का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों की माने तो राज्य में 14 जून तक मौसम साफ रहने की संभावना है और पश्चिमी राजस्थान के जिलों में हीटवेव का दौर शुरू होगा। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान के कुछ शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक या उसके पार भी जा सकता है।

शोरूम के गेट पर लगे मीटर में लगी आग

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

अजमेर के नसीराबाद रोड पर स्थित वुडन फर्नीचर पर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने के कारण शोरूम के मुख्य गेट पर लगे इलेक्ट्रिक मीटर जलकर राख हो गया।

शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी।आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। शोरूम मालिक ने टाटा पावर पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

दुकान मालिक मनजीत सिंह ने बताया कि पिछले 4 दिन से मीटर में स्पार्किंग हो रही थी। इसकी शिकायत भी की गई लेकिन कोई परमानेंट कार्रवाई नहीं की गई। रात में भी शिकायत करने पर पहुंचे और सिर्फ फोटो खींचकर चले गए। मालिक ने बताया कि सुबह आग लग गई। हालांकि बड़ा हादसा होने से टल गया। इससे करीब 30 हजार का नुकसान हुआ है। टाटा पावर की लापरवाही के कारण आग लगी है। अगर सही समय पर टाटा पावर एक्शन लेता तो आज आग नहीं लगती।

महिला ने पीहर फोन किया, बाप-बेटे को मार डालाःघरवालों से की थी मारपीट की शिकायत

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

दौसा में पिता-पुत्र की हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने घर फोन कर ससुराल में प्रताड़ित होने की शिकायत की थी। मामला जिले के पापदड़ा थाना क्षेत्र के खवारावजी के पास जोध्या की ढाणी का है। शुक्रवार देर रात 11 बजे घनश्याम बैरवा (32) और उसके पिता थान्याराम बैरवा (70) का मर्डर किया था। जिसकी जानकारी शनिवार सुबह करीब 8 बजे बाद मिली। अभी मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई है और शव उठाने से इनकार कर दिया है। लालसोट एएसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया कि घनश्याम और निर्मला के बीच आपसी विवाद होता रहता था। शुक्रवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। निर्मला का पीहर लीखली गांव में है। इस पर निर्मला ने अपने भाई और अन्य परिजनों को फोन कर शिकायत कर विवाद और प्रताड़ित करने की बात कही। इस पर निर्मला के घर वाले वहां पहुंचे। यहां दोनों के बीच विवाद हुआ। निर्मला को जब वापस ले जाने लगे तो पीहर पक्ष के लोगों ने घनश्याम और उसके पिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी। एएसपी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवा दिया है। रिपोर्ट मिलने के बाद मामला दर्ज करवाया जाएगा। जोध्या की ढाणी जहां मर्डर हुआ है वहां आस-पास दो से तीन परिवार ही रहते है। रात में हुए घटनाक्रम की किसी को खबर तक नहीं लगी। सुबह 8 बजे के करीब जब ढाणी के लोग थान्याराम बैरवा के घर के पास पहुंचे तो पता चला कि दोनों का मर्डर हो गया है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। इस पर लालसोट से एएसपी लालसोट दिनेश अग्रवाल और नांगल डिप्टी एसपी चारुल गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। हैं।

C M Y K

सम्पादकीय

चुनाव की चोरी का पूरा खेल समझिए

मैंने तीन फरवरी को संसद और उसके बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में पिछले साल महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया को लेकर चिंता जाहिर की थी। चुनावों को लेकर मैंने पहले भी संदेह जताया। मैं यह नहीं कह रहा कि हर चुनाव में हर जगह धांधली होती है, पर महाराष्ट्र में जो कुछ हुआ, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। मैं छोटी-मोटी गड़बड़ियों की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संस्थानों पर कब्जा कर बड़े पैमाने पर की जा रही धांधलियों की बात कर रहा हूं। पहले भी चुनावों में कुछ अजीब तरह की चीजें होती थीं, पर 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पूरी तरह विचित्र था। इसमें इतनी भयंकर धांधली हुई कि छुपाने की तमाम कोशिश के बाद भी गड़बड़ी के स्पष्ट सुबूत दिखते हैं। यदि गैर-अधिकारिक

जानकारी छोड़ दें, तो भी आधिकारिक आंकड़ों से ही गड़बड़ियों का पूरा खेल सामने आ जाता है। अंपायर तय करने वाली समिति में हेराफेरीः पहले चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 से यह सुनिश्चित किया गया कि चुनाव आयुक्त प्रधानमंत्री और गृहमंत्री द्वारा 2-1 के बहुमत से चुने जाएं और चयन समिति के तीसरे सदस्य अर्थात नेता विपक्ष के वोट को अप्रभावी किया जा सके। यानी जिन लोगों को चुनाव लड़ना है, वही 'अंपायर' भी तय कर रहे हैं। सबसे पहले तो चयन समिति से देश के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर उनकी जगह कैबिनेट मंत्री को लाने का फैसला गले नहीं उतरता। आखिर चयन समिति से एक निष्पक्ष निर्णायक को हटाकर कोई अपनी पसंद का सदस्य क्यों लाना चाहेगा? जैसे ही आप यह सवाल खुद से पूछेंगे, आपको जवाब मिल जाएगा। फर्जी वोटरों के साथ मतदाता सूची में वृद्धिः चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 8.98 करोड़ थी। पांच साल बाद मई 2024 के लोकसभा चुनाव में यह संख्या बढ़कर 9.29 करोड़ हुई। इसके सिर्फ पांच माह बाद नवंबर, 2024 के विधानसभा चुनाव तक यह संख्या बढ़कर 9.70 करोड़ हो गई। यानी पांच साल में 31 लाख की मामूली वृद्धि, वहीं सिर्फ पांच माह में 41 लाख की जबरदस्त बढ़ोतरी। वोटरों की संख्या 9.70 करोड़ पहुंचना असामान्य है, क्योंकि सरकार के खुद के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र के वयस्कों की कुल आबादी 9.54 करोड़ है। मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर दिखानाः ज्यादातर वोटरों और आब्जर्वर के लिए बाकी जगह की तरह महाराष्ट्र में मतदान बिल्कुल सामान्य था। लोगों ने पंक्तिबद्ध होकर मतदान किया और घर चले गए। जो शाम पांच बजे तक मतदान केंद्रों के अंदर पहुंच चुके थे, उन्हें मतदान करने की अनुमति थी। किसी मतदान केंद्र पर ज्यादा भीड़ या लंबी कतारों की खबर नहीं आई, पर चुनाव आयोग के अनुसार मतदान का दिन कहीं अधिक नाटकीय रहा। शाम पांच बजे तक मतदान प्रतिशत 58.22 था। मतदान खत्म होने के बाद भी मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा। अगली सुबह जो आखिरी आंकड़ा आया, वह 66.05 प्रतिशत था। यानी 7.83 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई, जो करीब 76 लाख वोटों के बराबर है। वोट प्रतिशत में ऐसी बढ़ोतरी महाराष्ट्र के पहले के किसी भी विधानसभा चुनाव से कहीं ज्यादा थी। इसे इससे समझा जा सकता हैः 2009 के विधानसभा चुनाव में प्रोविजनल और अंतिम मतदान प्रतिशत के बीच केवल 0.50 प्रतिशत का अंतर था। 2014 में यह 1.08 प्रतिशत रहा। 2019 में 0.64 प्रतिशत, लेकिन 2024 में यह अंतर कई गुना बढ़ गया। चुनिंदा जगहों पर फर्जी वोटिंगः महाराष्ट्र में करीब एक लाख बूथ हैं, पर अधिकतर नए मतदाता सिर्फ 12 हजार बूथों पर ही जोड़े गए। ये बूथ उन 85 विधानसभाओं के थे, जहां लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन खराब था। मतलब हर बूथ में शाम पांच बजे के बाद औसतन 600 लोगों ने वोट डाला। यदि हरेक को वोट डालने में एक मिनट भी लगा, तो भी मतदान प्रक्रिया 10 घंटे तक और जारी रहनी चाहिए थी, पर ऐसा कहीं नहीं हुआ। सवाल है कि ये अतिरिक्त वोट आखिर डाले कैसे गए? स्पष्ट है कि इन 85 सीटों में से ज्यादातर पर राजग ने जीत दर्ज की। चुनाव आयोग ने मतदाताओं की इस बढ़ोतरी को 'युवाओं की भागीदारी का स्वागतयोग्य ट्रेंड' बताया, लेकिन यह 'ट्रेंड' सिर्फ उन्हीं 12 हजार बूथों तक सीमित रहा, बाकी 88 हजार बूथों पर नहीं। यदि यह मामला गंभीर नहीं होता तो इसे अच्छा चुटकुला कहकर हंसा जा सकता था। कामठी विधानसभा धांधली की अच्छी केस स्टडी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को यहां 1.36 लाख वोट मिले, जबकि भाजपा को 1.19 लाख। 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को फिर लगभग उतने ही (1.34 लाख) वोट मिले, पर भाजपा के वोट अचानक बढ़कर 1.75 लाख हो गए। यानी 56 हजार वोटों की बढ़ोतरी। यह बढ़त उन 35 हजार नए वोटरों के कारण मिली, जिन्हें दोनों चुनावों के बीच कामठी में जोड़ा गया। लगता है, जिन लोगों ने लोकसभा चुनाव में वोट नहीं डाला और जो नए मतदाता जुड़े, उनमें से सब चुंबकीय ढंग से भाजपा की ओर ही खिंचते चले गए।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

श्री नीब करौरी बाबा (कैंची धाम) स्थापना दिवस - भीलवाड़ा में ऐतिहासिक भंडारा आयोजन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा, 15 जून 2025 – कैंची धाम की तर्ज पर इस वर्ष भी भीलवाड़ा में श्री नीब करौरी बाबा जी का स्थापना दिवस बड़े ही भव्य और श्रद्धामय माहौल में मनाया जाएगा। रामधाम चौराहे पर आयोजित इस दिव्य भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

जैसे हर वर्ष 15 जून को कैंची धाम (नैनीताल) में लाखों श्रद्धालु बाबा नीब करौरी महाराज जी के पावन चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं, ठीक उसी भाव और भक्ति के साथ इस बार भीलवाड़ा की पुण्यभूमि पर भी यह पावन दिन एक आध्यात्मिक उत्सव में परिवर्तित होने जा रहा है।

प्रबन्धन समिति की घोषणा

इस आयोजन की समुचित व्यवस्था एवं संचालन हेतु एक सक्षम एवं श्रद्धावान प्रबन्धन समिति का गठन किया गया है, जिसमें शहर के प्रतिष्ठित नाम सम्मिलित हैं- हेमेन्द्र अधिकारी,गजेन्द्र सिंह राठौड़,विनील गुप्ता,दामोदर मूंदड़ा,हेमेंद्र सिंह राणावत,सुशील लढ़ा,गोविन्द अधिकारी,अभिमन्यु चौबे,प्रदीप नेगी,प्रीतम नेगी,सत्येन्द्र पारीक अविनाश व्यास,विश्वबंधु सिंह राठौड़ आदि यह समिति आयोजन की हर छोटी-बड़ी बात की देखरेख करेगी – भोजन प्रसाद, दर्शन व्यवस्था, सेवा कार्य एवं समग्र अनुशासन।

भक्ति, सेवा और संगठन का अनूठा संगम यह कार्यक्रम न सिर्फ एक भंडारा है, बल्कि सद्भाव, सेवा और संकल्प का प्रतीक बनकर उभरेगा। बाबा नीब करौरी महाराज जी के अनन्य भक्तों के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन होगा, जिसमें सत्संग, सेवा और समर्पण की त्रिवेणी बहेगी। सबका भला हो, सबका मंगल हो – बाबा का संदेश सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मंत्र है, जिसे यह आयोजन जन-जन तक पहुंचाया जाएगा ।

आप सभी श्रद्धालुजनों से निवेदन है कि इस पावन अवसर पर सपरिवार पधारकर पुण्य लाभ प्राप्त करें और आयोजन को सफल बनाएं।

आईसीएआई के नेशनल टैलेंट सर्च 2025 के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा । दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के बोर्ड ऑफ स्टडीज एवं भीलवाड़ा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल टैलेंट सर्च 2025 की श्रृंखला के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सीए आलोक सोमानी ने बताया कि शाखा स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल पाँच टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को तीन नियमित राउंड और एक रैपिड फायर राउंड में आयोजित किया गया। गहन ज्ञान और त्वरित उत्तरों के दम पर स्टूडेंट्स राजश्री अजमेरा एवं रिमझिम विजयवर्गीय की टीम ने प्रतियोगिता में विजेता का स्थान प्राप्त किया।

शाखा के सिकासा अध्यक्ष सीए पुलकित राठी ने जानकारी दी कि भीलवाड़ा शाखा की विजेता टीम अब आईसीएआई द्वारा आयोजित क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता भीलवाडा शाखा का प्रतिनिधित्व करेगी। क्षेत्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाली टीम को नेशनल लेवल पर देशभर की टीमों से मुकाबला करने का अवसर प्राप्त होगा। शाखा सचिव सीए अक्षय सोढानी ने प्रतियोगिता का संचालन किया एवं बताया कि स्कोरिंग की ज़िम्मेदारी सीए हिमांशु भदादा, सीए शुभम सिंघवी एवं शाखा उपाध्यक्ष सीए दिनेश सुथार ने निभाई।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के उत्साह और ज्ञान स्तर की सराहना करते हुए शाखा पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला कलक्टर ने किया उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाडा । जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने शुक्रवार को गांव मुझरास में किसानों के खेत पर पहुंच कर कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। खेतों पर समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाते हुए सामुदायिक जलस्त्रोत द्वारा वर्षा जल एकत्रित कर सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र के द्वारा लिफ्ट कर ड्रीप संयंत्र के माध्यम से फलदार बगीचा आम, सीताफल, आंवला, चीकू, में सिंचाई कर आधुनिक तरीके से खेती की जा रही है।

जिला कलक्टर ने समन्वित कृषि प्रणाली को जिले में अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिये एवं प्रगतिशील उद्यानिकी किसानों का ग्रुप बनाकर समय- समय पर उद्यानिकी गतिविधियों की सलाह जारी करने को कहा।

इस दौरान संयुक्त निदेशक कृषि (वि.) विनोद कुमार जैन, उप निदेशक उद्यान डॉ शंकर सिंह राठौड, कृषि अधिकारी गोपाल लाल गुर्जर उपस्थित रहे।

राजनीतिक चेतना, शिक्षा के प्रति जागृति, अंधविश्वास व नशाखोरी के विरुद्ध अभियान चलाएंगे-मीणा

बिगोद । त्रिवेणी संगम मंदिर में शुक्रवार को मीणा समाज की धर्मशाला में मेवाड़ आम चौखला मीणा समाज की बैठक हुई। जिसमें तय किया गया कि सामाजिक जनचेतना अभियान चलाकर समाज के लोगों में राजनीतिक चेतना, शिक्षा के प्रति जागृति, अंधविश्वास व नशाखोरों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए मेवाड़ के सभी युवाओं को जागरूक कर जल्द पंचायत ब्लॉक व जिला स्तर पर सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

अध्यक्ष महावीर प्रसाद मीणा शाहपुरा ने कहा कि सोशल मीडिया का बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता हे। जिससे मानसिक व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं पैदा होती हैं । इसके लिए भी समाज को जागरूक होना होगा । बैठक में घाट पर पत्थर लगाने एवं धर्मशाला पर मेवाड़ आम चौखला मीणा समाज त्रिवेणी संगम नाम लिखवाने का प्रस्ताव पारित किया गया । बैठक में मेवाड़ आम चौखला मीणा समाज कोषाध्यक्ष कालू लाल मीणा, संरक्षक किशन लाल मीणा, रामपाल मीणा ब्रह्मा मीणा, जमना मीणा, मंगना मीणा, मोहन मीणा, हीरा मीणा, श्रवण मीणा, शंकर मीणा, राम लाल मीणा, मांगी लाल मीणा, नैनसिंह मीणा, भंवर मीणा, गोपाल लाल मीणा, रामेश्वर मीणा, कैलाश चंद मीणा, रोडू मीणा, देबी मीणा, कालू मीणा, उदय लाल मीणा, घीसा मीणा, अर्जन मीणा सहित मेवाड़ आम चौखला मीणा समाज के पंच पटेल एवं कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे।

कठिन मोड़ पर भारत!

लुटनिक ने कहा कि भारत ने रूस से हथियार खरीद कर अमेरिका को नाराज किया है। इसके अलावा वह ब्रिक्स का सदस्य है, जिसका मकसद डॉलर को चुनौती देना है। उन्होंने कहा- इन मामलों में भारत को राह बदलनी होगी। यह संकेत तो पहले से था कि डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर का मकसद सिर्फ आयात शुल्क में रियायतें पाना नहीं है। बल्कि इसके जरिए वे विश्व व्यापार और यहां तक कि भू-राजनीति को भी अमेरिकी हित में पुनर्गठित करना चाहते हैं। इसमें रहे-सहे संदेह को भी उनके वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने दूर कर दिया है। उन्होंने कूटनीतिक मर्यादाओं की धज्जियां उड़ाते हुए वो शर्तें दो-टूक बताईं, जो अगर भारत अमेरिका के 'गुड बुक' में रहना चाहता है, तो उसे माननी होगी। यूएस- इंडिया स्ट्रेटेजिक फोरम को संबोधित करते हुए लुटनिक ने कहा कि भारत ने रूस से हथियार खरीद कर अमेरिका को नाराज किया है। इसके अलावा वह ब्रिक्स का सदस्य है, जिसका मकसद डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देना है। उन्होंने दो टूक कहा कि इन दोनों मामलों में भारत को राह बदलनी होगी। इसके अलावा उन्होंने भारत को यह नुस्खा भी दिया कि वह अपनी अर्थव्यवस्था को और अधिक उपभोग केंद्रित करे- यानी निवेश बढ़ाने के चक्कर में ना पड़े। विदेश नीति पर निर्णय और अर्थव्यवस्था की दिशा तय करना देशों का संप्रभु अधिकार है। मगर ट्रंप प्रशासन खुल कर तमाम देशों को नीति और दिशा बता रहा है। मगर ये ध्यान में रखना चाहिए कि हाल में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो हथियार भारत के सर्वाधिक काम आए, वो ब्रह्मोस मिसाइलें और एस-400 इंटरसेप्टर हैं। इन दोनों का संबंध रूस से है। आगे भारत को लड़ाकू विमान खरीदने हैं। भारत को चयन अमेरिका के एफ-35 और रूस के सुखोई-57 के बीच करना है। रूस अपने विमान की तकनीक ट्रांसफर करने को भी तैयार है, जबकि अमेरिका ऐसा किसी के साथ नहीं करता। दूसरी अहम बात यह कि भारत ग्लोबल साउथ का हिस्सा है, जिसके बीच समन्वय का प्रभावी मंच आज ब्रिक्स है। क्या उससे अलग होना भारत के फायदे में होगा? जहां तक उपभोग केंद्रीयता की बात है, तो आम समझ यही है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पहले ही इसका आधिक्य हो चुका है। क्या इसके बावजूद भारत लुटनिक का फॉर्मूला मानेगा? इसके संकेत हमें लड़ाकू विमानों पर फैसले और अगले महीने तय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मिल जाएंगे।

सबके निशाने पर विदेश मंत्री जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर सबके निशाने पर हैं। उनका खूब मजाक बन रहा है और खूब मीम्स भी बन रहे हैं। लेख भी लिखे जा रहे हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि पहलगाम कांड और ऑपरेशन सिंदूर पर पूरी दुनिया में भारत की ओर से जो कूटनीतिक पहल हुई है उसमें वे किनारे हुए हैं और सरकार व भाजपा के लोग मान रहे हैं कि उनसे बेहतर शख्सियत शशि थरूर हैं, जिनकी बात सारी दुनिया ज्यादा ध्यान से सुन रही है। इस बीच जयशंकर कांग्रेस के निशाने पर भी आए हैं। कनाडा की मेजबानी में हो रहे जी 7 शिखर सम्मेलन में भारत को नहीं बुलाए जाने को लेकर कांग्रेस व दूसरे अन्य समूहों व लोगों ने जयशंकर को निशाना बनाया है। कहा जा रहा है कि उन्होंने पिछले दिनों कनाडा की विदेश मंत्री भारतीय मूल की अनिता आनंद से बात की लेकिन भारत के लिए निमंत्रण का जुगाड़ नहीं कर पाए। ध्यान रहे पिछले छह साल से प्रधानमंत्री मोदी जी 7 की बैठक में जा रहे हैं। इस बार कनाडा ने उनको न्योता नहीं दिया, जबकि माना जा रहा था कि जस्टिन ट्रूडो के हटने और मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और कनाडा के संबंधों में सुधार होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कार्नी ने ब्राजील और यूक्रेन के राष्ट्रपति से लेकर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री तक को न्योता दिया लेकिन भारत को नहीं बुलाया। जयशंकर इस बात के लिए भी निशाने पर आए हैं कि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ समारोह में शामिल होने के लिए भी मोदी के लिए निमंत्रण का जुगाड़ नहीं कर पाए थे। भाजपा के नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने उनको तत्काल हटाने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया में कहा है कि भारत का विदेश मंत्री ऐसा कैसे हो सकता है, जिसकी पत्नी विदेशी हो और बच्चों के साथ अमेरिका में रहती हो। यह भी दिख रहा है कि भारत के सात डेलिगेशन विदेश भेजे गए उसमें भी जयशंकर की खास भूमिका नहीं रही। डेलिगेशन के 59 सदस्यों के ब्रीफ करने का काम विदेश मंत्री की बजाय विदेश सचिव ने किया।

दतिया में एयरपोर्ट! श्रेय नरोत्तम मिश्रा को ही!

दतिया में विकास की इबारत ए बी सी डी से उन्होंने ही शुरू की। नहीं तो जब हम दतिया में होते थे और कोई रिश्तेदार कई सालों बाद आता था तो कहता था अभी भी वैसा ही है!कोई दो राय नहीं कि दतिया में आजादी के बाद जो भी विकास हुआ है उसका पूरा श्रेय नरोत्तम मिश्रा को जाता है। दतिया गले का हार कहलाता था। अपनी राजशाही ठसक के कारण। लोग एक दूसरे की मदद करने वाले थे और बिना महत्वाकांक्षा के। सन् 1980 की बात है। अर्जुन सिंह मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री बने थे। हमारे गृहनगर दतिया का एक सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल उनसे मिलने भोपाल गया था। हम शायद उसके सबसे युवा सदस्यों में से थे। हमने मुख्यमंत्री से कहा कि दतिया मध्य प्रदेश का सबसे पिछड़ा और उपेक्षित जिला है। शब्दों के प्रति बहुत सजग रहने वाले अर्जुन सिंह जी ने कहा कि पिछड़ा मैं मान सकता हूं। मगर मेरे आने के बाद उपेक्षित नहीं! शब्द अच्छे थे। मगर विकास के लिए प्रयास करना होता हैं। मुख्यमंत्री और वहां आईं प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी भी विकास का आश्वासन देकर गईं। मगर उसके लिए फालोअप करना होता है। भारत में 75 साल में जो विकास हुआ है वह उन जगहों पर हुआ है जहां के जन प्रतिनिधियों को विकास का मतलब मालूम था। केन्द्र और राज्य सरकार के हर बजट से पहले सांसद और विधायक अपने क्षेत्रों के केस बनाने में लग जाते हैं। जो जितनी मेहनत कर लेता है वह अपने क्षेत्र के लिए उतना ले जाता है। और जहां के विधायक और सांसद कुछ नहीं करते हैं तो चाहे इन्दिरा गांधी हों या अर्जुन सिंह या और कोई मुख्यमंत्री कुछ नहीं कर सकते हैं। बात दतिया की कर रहे थे। बुंदेलखंड की सबसे पुरानी रियासत और इस कहावत के साथ पूरे देश में मशहूर कि " दतिया गले का हार ! " मगर विकास के परिप्रेक्ष्य में तो इस पूरे इलाके ग्वालियर चंबल संभाग क्षेत्र में एक ही आदमी का नाम आता है माधवराव सिंधिया का। उन्हें विकास पुरुष कहा जाता है। उन्होंने जितना ग्वालियर का विकास किया उतना देश के कम नेता अपने क्षेत्र में कर पाए। उन पर बहुत लिखा है और अभी लिखने को बहुत है मगर फिलहाल कुछ बातें बताकर दतिया और बुंदेलखंड पर वापस आते हैं। वह बातें हैं अपने क्षेत्र के विकास के लिए किसी भी सीमा को न मानना। एक, ग्वालियर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से 300 किलोमीटर से ज्यादा दूर है। मगर उसे भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल करा लिया था। अगली बात कल्पना से परे। मजाक में मगर अपने क्षेत्र के लिए कुछ भी कर सकते हैं कि इच्छा शक्ति का बड़ा उदाहरण। राजीव गांधी के मंत्रिमंडल में फेरबदल होना था। माधवराव रेल मंत्री थे। देश की पहली शताब्दी चला चुके थे। दिल्ली ग्वालियर के बीच। फिर वही भोपाल तक ले गए। चर्चा हुई कि कोई और बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पत्रकार तो लाते ही दूर की कौड़ी हैं। किसी ने कहा कि आपको जहाजरानी मंत्रालय मिल रहा है। क्या करेंगे। सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर में बंदरगाह बनाएंगे! ग्वालियर में बंदरगाह? महाराज वहां तो समन्दर है नहीं। तो जवाब आया वह भी ले आएंगे। यह उसी दिमागी मजबूती का जवाब है जैसा नेपोलियन बोनापोर्ट ने कहा था कहां है आल्पस? वह विशाल पहाड़ जहां उसकी सेना रुक गई थी। और नेपोलियन ने कहां है कहकर अपना घोड़ा चढ़ा दिया था। यहीं से यह कहावत बनी कि नेपोलियन के शब्दकोष में असंभव शब्द नहीं है। एक आखिर बात और! अभी ऊपर देश की पहली शताब्दी का जिक्र किया। ग्वालियर के लिए चलाई। उस समय 1985 में बने थे मंत्री। ताज एक्सप्रेस दिल्ली से आगरा तक आती थी। सुबह आकर शाम को वापस चली जाती थी। सिंधिया ने कहा दिन भर आगरा में खड़ी रहती है। इसे ग्वालियर तक ले आओ। आगरा में हंगामा हो गया। ताज के नाम की ट्रेन, ग्वालियर क्यों जाएगी। आन्दोलन आगरा बंद! आगरा की जनभावनाएं पूरे उफान पर। कहा ताज भी ले जाओ! माधवराव सिंधिया से पूछा कि वे ऐसा कह रहे हैं। तो धीरे से बोले मेरे बस में होता तो ले भी आता! बस! समझ में आ गया होगा कि विकास का नशा काम करने वाले की स्वप्नदर्शिता को कहां तक ले जा सकता है। अब फिर वापस दतिया पर! जहां इस समय भारी जश्न का माहौल है। जिसे कहते हैं कि ख्वाबो ख्याल में नहीं सोचा था। बुंदेलखंड का पहला एयरपोर्ट वहां बन गया। बुंदेलखंड जहां का सबसे बड़ा शहर झांसी है और जो प्रस्तावित बुंदेलखंड राज्य का जिसमें उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों के इलाके शामिल होंगे की संभावित राजधानी के तौर पर देखा जा रहा है उसे छोड़कर दतिया को एयरपोर्ट मिलना बड़ी बात मानी जा रही है। हमने बात शुरू की थी 1980 से। मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह से अपने संवाद से। उस समय दतिया से कांग्रेस के ही विधायक थे। लेकिन काम न करने के लिए विख्यात। यह सिलसिला पहले से था और बाद में भी बहुत लंबा चला। पूरे बुंदेलखंड की यही दुर्दशा है। राहुल गांधी जब 2007 में यहां के दौरे पर आए थे। हम साथ थे कहा कि यहां के लोग पत्थरों में खेती करते हैं। खेती ही एक मात्र रोजगार का साधन और वह भी बिना सिंचाई सुविधाओं के। जमीन पथरीली। विकास के नाम पर यहां देश में सबसे कम काम हुआ है। मगर अब मध्यप्रदेश के हिस्से वाले बुंदेलखंड के दतिया में एयरपोर्ट के बन जाने और हवाई जहाज उड़ने और उतरने के बाद यहां विकास की नई संभावनाएं बनने लगी हैं। पीतांम्बारा पीठ केवल देश में ही नहीं विदेश में भी प्रसिद्ध है। श्रद्धालुओं के लिए यह बड़ी सुविधा हो गई है। निश्चित ही तौर पर इस का श्रेय यहां के पूर्व विधायक और मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को जाता है। वे पिछला चुनाव जरूर हार गए उसकी अलग कहानी है मगर इस बात में कोई दो राय नहीं कि दतिया में आजादी के बाद जो भी विकास हुआ है उसका पूरा श्रेय नरोत्तम मिश्रा को जाता है। दतिया गले का हार कहलाता था। अपनी राजशाही ठसक के कारण। गामा यहां हुए। दशहरा बहुत प्रसिद्ध था। लोग एक दूसरे की मदद करने वाले थे और बिना महत्वाकांक्षा के। नेता भी ऐसे ही हुए। बस विधायक बना दो। सांसद बना दो। इतनी ही सोच होती थी। हमारे विधायक मित्र हमारे पास जयपुर, जम्मू कश्मीर, दिल्ली आते रहे। दोनों पार्टियों के। दो ही हैं वहां कांग्रेस, भाजपा। हमने कई नेताओं से मिलवाया। विकास पर बात करवाई। मगर विकास, काम करना कभी समझ में आया ही नहीं। विधायक सांसद हो गए बहुत है। यह क्रम टूटा 2008 में। पास के विधानसभा क्षेत्र डबरा से चुनाव लड़ कर जीतते रहे नरोत्तम मिश्रा चुनाव लड़ने दतिया आ गए। उनकी सीट परिसीमन में रिजर्व घोषित हो गई थी। राजनीतिक रूप से दतिया और मध्य प्रदेश में उनके विरोधी और समर्थक दोनों बहुत हैं। लेकिन जब विकास की बात आती है तो दतिया के लोग यह कहने पर मजबूर होते हैं कि उससे पहले उन्होंने विकास देखा ही नहीं था। सही बात है। एक दिल्ली मुम्बई मेन रेल्वे लाइन है जो वहां से होकर गुजरी है। उसी पर एकाध ट्रेन को और रुकवाकर हम लोग अपने स्टूडेंट टाइम में सफलता समझ लेते थे। शहर से रेल्वे स्टेशन जाने के लिए रेल्वे फाटक पर देर देर तक तांगे खड़े रहते थे। ओवर ब्रिज ही बड़ी बात लगता था। लेकिन कुछ सालों पहले दतिया में मेडिकल कालेज बन गया। इससे पहले बुंदेलखंड में एक ही और मेडिकल कालेज है झांसी में। दतिया में मेडिकल कालेज बनना भी वाकई कल्पना के बाहर की बात थी। नरोत्तम के पिछले विधानसभा चुनाव के हार के अलग कारण हैं। कभी लिखेंगे। मगर दतिया में विकास की इबारत ए बी सी डी से उन्होंने ही शुरू की। नहीं तो जब हम दतिया में होते थे और कोई रिश्तेदार कई सालों बाद आता था तो कहता था अभी भी वैसा ही है! तो अब हवाई जहाज वाला हो गया है। झांसी के नेताओं में सभी पार्टियों के वहां तो चार पार्टी हैं, भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस में गहरी मायूसी है। मगर झांसी, दतिया इतने नजदीक हैं कि वे इसे अपना ही एयरपोर्ट मान रहे हैं। अच्छी बात है। अगर बन गया बुंदेलखंड अलग राज्य तो सबका वैसे ही होगा।

पूर्वोत्तर में आत्मनिर्भर होते एनडीए के सहयोगी!

पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में से तीन राज्यों में भाजपा की अपनी सरकार है, तीन राज्यों में उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकार है और एक राज्य मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है। एक राज्य मिजोरम अब तक एनडीए के खाते नहीं आ पाया। वहां जोराम पीपुल्स फ्रंट यानी जेडपीएम की सरकार है और मिजो नेशनल फ्रंट 10 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी पार्टी है। इसका मतलब है कि एनडीए वहां न तो सरकार में है और न मुख्य विपक्षी गठबंधन है। भाजपा के दो और कांग्रेस का एक विधायक है। असम, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में भाजपा की अपनी सरकार है लेकिन इन तीनों राज्यों में भी भाजपा का अपना नेता मुख्यमंत्री नहीं है। तीनों राज्यों में कांग्रेस से आए नेता मुख्यमंत्री हैं। असम में हिमंत बिस्वा सरमा, त्रिपुरा में मानिक साहा और अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू तीनों मुख्यमंत्री 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आए हैं। भाजपा से उनका जुड़ाव एक दशक से भी कम का है। बहरहाल, तीन राज्यों में भाजपा की सहयोगी पार्टियों की सरकार है और तीनों आत्मनिर्भर हैं। उनको सरकार बनाने के लिए भाजपा के समर्थन की जरुरत है। सिक्किम में तो सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के पास तो विधानसभा की सभी 32 सीटें हैं। पिछले साल हुए विधानसभा में पार्टी ने 31 सीटें जीती थीं और बाद में एकमात्र विपक्षी विधायक भी उसी पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा का खाता नहीं खुला है। यह अलग बात है कि सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के नेता और राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सद्भाव के तहत राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट भाजपा को दे दी है। बाकी दोनों राज्यों, नगालैंड और मेघालय में सहयोगी पार्टियों की सरकार आत्मनिर्भर हो गई है। नगालैंड में 60 सदस्यों की विधानसभा में सत्तारूढ़ एनडीपीपी के पास 25 विधायक थे, जबकि बहुमत का आंकड़ा 31 का है। इसलिए एनडीपीपी के नेता नेफ्यू रियो की सरकार भाजपा के 12 विधायकों के समर्थन पर टिकी हुई थी। लेकिन पिछले दिनों नेफ्यू रियो ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सभी सात विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। इस तरह एनडीपीपी के विधायकों की संख्या 32 हो गई। यानी उसे अपने दम पर बहुमत हासिल हो गया। अब भी भाजपा उसके साथ है लेकिन सरकार को बहुमत के लिए भाजपा की जरुरत नहीं है। यह दिलचस्प है कि एनसीपी के नेता अजित पवार भाजपा के साथ हैं लेकिन उनके साथ विधायक भाजपा के साथ नहीं गए और जब वे एनडीपीपी में चले गए तो अजित पवार ने कहा कि वे दलबदल कानून के तहत किसी तरह की कार्रवाई की पहल नहीं करेंगे। यानी उन्होंने अपनी पार्टी का एनडीपीपी में विलय स्वीकार कर लिया। इसी तरह मेघालय में कोनरेड संगमा की पार्टी एनपीपी और भाजपा अलग अलग लड़े थे। एनपीपी ने विधानसभा की 60 में 56 सीटें लड़ कर 26 पर जीत हासिल की थी। विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 31 सीट का है। सो, संगमा की सरकार यूडीपी के 12 और भाजपा के चार विधायकों सहित कुछ अन्य विधायकों के समर्थन से चल रही थी। लेकिन बाद में संगमा ने कांग्रेस के पांच में से चार विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करा लिया और पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट के दो विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करा लिया, जिससे उनके विधायकों की संख्या 32 हो गई। यानी वे भी भाजपा या किसी और पार्टी के समर्थन के मोहताज नहीं हैं। मणिपुर में भाजपा ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटा कर राष्ट्रपति शासन लगाया है लेकिन बीरेन सिंह को नाराज करके वहां वह दूसरी लोकप्रिय सरकार बनाने में कामयाब नहीं हो पा रही है। ध्यान रहे बीरेन सिंह भी पूर्व कांग्रेसी हैं।

विपक्ष को चाहिए एक समन्वय समिति!

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' को एक समन्वय समिति की जरुरत है ताकि वह संसदीय रणनीति बनाने के अलावा राजनीतिक रणनीति भी बेहतर तालमेल के साथ बना सके। लोकसभा चुनाव के बाद एक साल में विपक्षी गठबंधन संसद में तो कामचलाऊ तालमेल बना लेता है क्योंकि वहां मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं और कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं। इसलिए उनके बड़े कद की वजह से संसद सत्र के दौरान विपक्षी पार्टियां उनके चैम्बर में जमा हो कर फ्लोर कोऑर्डिनेशन की मीटिंग कर लेती हैं। हालांकि उसमें भी कई बार ऐसा हुआ कि तृममूल कांग्रेस ने अलग लाइन पकड़ ली तो कई बार समाजवादी पार्टी अलग रास्ते पर चलने लगी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इन पार्टियों के साथ राजनीतिक समन्वय बनाए रखने का कोई ठोस तंत्र नहीं हैं। कह सकते हैं कि ऐसा कोई तंत्र एनडीए में भी नहीं है। लेकिन एनडीए सत्ता में है। केंद्र के साथ साथ 20 राज्यों में उसकी सरकार है। इसलिए उसको समन्वय के लिए अलग से किसी राजनीतिक बॉडी की जरुरत नहीं है। यह जरुरत विपक्ष को है। एनडीए में सरकार के समन्वय से ही राजनीति भी सधती है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के गठन के समय से ही इस बात की चर्चा चल रही है कि एक समन्वय समिति होनी चाहिए। एक अध्यक्ष होना चाहिए। एक संयोजक भी होना चाहिए। गठबंधन का एक सचिवालय दिल्ली में होना चाहिए। लेकिन जून 2023 से दो साल बीत गए और तब से चल रही इस चर्चा का अंत अभी तक नहीं आया। 2023 में ही मुंबई में हुई बैठक में एक अनौपचारिक समन्वय समिति बनाई गई थी, जिसमें 13 नेता रखे गए थे। उसकी एक बैठक दिल्ली में शरद पवार के घर पर हुई थी। यह तब की बात है, जब नीतीश कुमार भी 'इंडिया' ब्लॉक में थे और उनकी पार्टी के नेता संजय झा को समन्वय समिति में रखा गया था। 'इंडिया' ब्लॉक के अध्यक्ष और समन्वयक के नाम पर हुए विवाद को ही नीतीश कुमार के अलग होने का तात्कालिक कारण माना जाता है। हालांकि उनके अलग होने के और दूसरे बड़े कारण थे। शरद पवार के नेतृत्व में उनके आवास पर 'इंडिया' ब्लॉक की समन्वय समिति की जो एकमात्र बैठक हुई वह भी तात्कालिक मुद्दों को लेकर थी। उसमें भी गठबंधन की रूपरेखा को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। उसके बाद से समन्वय समिति का क्या हुआ यह किसी को पता नहीं है। हैरानी है कि गठबंधन बिखरा जा रहा है और किसी को इसकी जरुरत भी महसूस नही हो रही है। बहरहाल, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की 16 पार्टियों ने पिछले दिनों दिल्ली में बैठक की है और सरकार को चिट्ठी लिखी है कि वह ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए। क्या इस बैठक के आधार पर कहा जा सकता है कि 'इंडिया' ब्लॉक एकजुट है और पी चिदंबरम ने इसको लेकर जो चिंता जताई थी वह गलत है? ऐसा नहीं कहा जा सकता है। यह बैठक भी संसदीय रणनीति से जुड़ी बैठक थी। इसमें भी वही चेहरे थे, जो संसद सत्र के दौरान फ्लोर कोऑर्डिनेशन के लिए खड़गे के चैम्बर में जुटते हैं। यह बैठक भी संसद का सत्र बुलाने के लिए थी। ऐसा नहीं था कि इसमें किसी राजनीतिक रणनीति को लेकर बात हुई या बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनी या अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टियों के तालमेल और सीट बंटवारे को लेकर कोई चर्चा हुई। वही डेरेक ओ ब्रायन, वही मनोज झा बैठे और सरकार को चिट्ठी लिखी कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। विपक्षी गठबंधन की जरुरत इससे आगे की है। इस बैठक में भी शरद पवार की पार्टी नहीं पहुंची और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी भी नदारद रही। कोई पक्के तौर पर नहीं कह रहा है कि ऐसा क्यों हुआ? डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि आम आदमी पार्टी की ओर से अलग से प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी जाएगी। शरद पवार के बारे में कहा जा रहा है कि वे चूंकि वे ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष सत्र के खिलाफ हैं इसलिए उनकी पार्टी का कोई नेता बैक में शामिल नहीं हुआ है। लेकिन साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि शरद पवार भाजपा से तालमेल की संभावना पर विचार कर रहे हैं। उनके सामने दो विकल्प हैं। पहला, वे अपनी पार्टी का विलय भतीजे अजित पवार की पार्टी में कर दें और दूसरा, विलय नहीं करके सीधे भाजपा से तालमेल कर लें। दोनों ही स्थितियों में भाजपा को दिक्कत नहीं है। अगर वे सीधे तालमेल करके हैं तब भी आठ अतिरिक्त लोकसभा सांसदों का समर्थन एनडीए सरकार को मिल जाएगा। आम आदमी पार्टी के भाजपा के साथ जाने की संभावना नहीं है लेकिन सोची समझी योजना के तहत उसने कांग्रेस से दूरी दिखानी शुरू की है। हरियाणा और दिल्ली की राजनीति में कांग्रेस और आप की जो राजनीति हुई है उसके बाद पंजाब का चुनाव दोनों के लिए और गठबंधन के लिए भी बहुत अहम है। जिस तरह का टकराव कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच दिख रहा है वैसा टकराव कई और पार्टियों के साथ है। कांग्रेस और लेफ्ट के बीच अगले ही साल केरल में घमासान होना है। इसी तरह कांग्रेस, लेफ्ट और तृणमूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल के बारे में फैसला करना है। जाहिर है संसद की एकजुटता पश्चिम बंगाल, केरल या पंजाब में नहीं चल सकती है। वहां व्यावहारिक राजनीतिक फैसला होना है, जो जमीनी फीडबैक पर आधारित होगा। अगर विपक्ष का गठबंधन यानी 'इंडिया' ब्लॉक का अस्तित्व है और उसका मकसद भाजपा को रोकना है तो इन तीनों राज्यों की राजनीति पर गठबंधन के अंदर बातचीत होनी चाहिए। लेकिन इसकी कोई संभावना नहीं दिख रही है। अगर कुछ तालमेल की बात करनी भी होगी तो संबंधित पार्टियां आपस में बातचीत कर लेंगी। सवाल है कि फिर 'इंडिया' ब्लॉक की जरुरत क्या है? क्या सिर्फ संसद की कार्यवाही के दौरान फ्लोर कोऑर्डिनेशन के लिए यह समूह रह गया है? यह सवाल इसलिए भी है कि जिस तरह की गड़बड़ी दिल्ली और हरियाणा के चुनाव में गठबंधन की सहयोगियों ने की वैसी ही गड़बड़ी बिहार में होती दिख रही है। हालांकि बिहार में महागठबंधन नाम से विपक्षी पार्टियों का गठबंधन है और राजद, कांग्रेस, वीआईपी, सीपीआई माले, सीपीआई और सीपीएम के नेता साथ मिल कर लड़ने की बात कर रहे हैं। लेकिन चुनाव से पांच महीने पहले भी सभी पार्टियां अलग अलग राजनीति कर रही हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी लगातार बिहार के दौरे कर रहे हैं लेकिन उनके किसी भी कार्यक्रम में राजद या लेफ्ट को शामिल नहीं किया जा रहा है। राजद के ऊपर दबाव बनाने के लिए कांग्रेस अकेले चलने की राजनीति कर रही है। इस साल बिहार में चुनाव हैं और उसके नतीजों का असर अगले साल होने वाले पांच राज्यों के चुनाव पर पड़ेगा। खासतौर से पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव पर। उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस के इमरान मसूद जैसे नेता बेवजह समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। बिहार से लेकर बंगाल और उत्तर प्रदेश तक विपक्ष को एकजुट होकर लड़ने की जरुरत है लेकिन 'इंडिया' ब्लॉक के पास कोई ऐसा तंत्र नहीं है, जिसके जरिए लगातार समन्वय की बात होती रही। संसद की कार्यवाही के दौरान होने वाली बैठकों से इतर चुनावी राजनीति पर विचार करने और उसकी रणनीति बनाने के लिए एक तंत्र की जरुरत विपक्ष को है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी का सफर हुआ समाप्त, मलेशियाई जोड़ी से मिली हार

एजेंसी नई दिल्ली

सात्विकसाई राज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी का सफर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी को मलेशियाई की मान वेई चोंग और ति काई वुन की जोड़ी के खिलाफ शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड की पूर्व नंबर वन भारतीय जोड़ी 2023 में इस टूर्नामेंट की विजेता बनी थी। सात्विक-चिराग की जोड़ी को 43 मिनट तक चले मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। ये चोंग वुन की जोड़ी की सात्विक-चिराग के खिलाफ पिछले पांच मैचों में ये पहली जीत है। सात्विक-चिराग की हार के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। भारतीय जोड़ी को अपनी सर्विस और रिटर्न में संघर्ष करना पड़ा। मान वुन ने पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स और जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीता था। पहले गेम में सात्विक ने दो शॉट नेट पर मारे, जिससे मलेशियाई टीम 9-7 से आगे हो गई। इंटरवल तक वे 11-9 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद थोड़ा आक्रामक खेल दिखाया और 11-11 से बराबरी कर ली, लेकिन मैन और वुन ने 15-12 की बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ियों ने दो बार नेट पर शॉट मारा, जिसके बाद भारतीयों ने वापसी करते हुए 17-17 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। सात्विक ने नेट पर फिर से चूक की और मलेशियाई टीम को गेम प्वाइंट दे दिया। दूसरे गेम में भी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह एक समय 3-7 से पीछे चल रही थी। मलेशियाई टीम ने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा दोनों टीम के बीच अंतर को 15-9 कर दिया। भारतीय जोड़ी हालांकि आसानी से हार मानने के लिए तैयार नहीं थी और उन्होंने जल्द ही स्कोर 16-18 कर दिया। मलेशिया की टीम ने हालांकि इसके बाद चार मैच प्वाइंट हासिल किए और बिना किसी परेशानी के जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी से पहले इस नाम से जानी जाती थी ये टेस्ट सीरीज

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज होने वाली है। ये टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होगी और 4 अगस्त तक चलने वाली है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हो गई है। इस दौरे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गी है वहीं अब इस ट्रॉफी को सचिनतेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर किया जा रहा है। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को तेंदुलकर एंडरसन सीरीज नाम दिया जाने वाला है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई ने साथ मिलकर ये फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का अनावरण वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में किया जाएगा, जो कि 11 जून से होने वाली है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। भारत- इंग्लैंड के बीच ये टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था। भारत-इंग्लैंड के बीच ये टेस्ट सीरीज नए WTC साइकिल की शुरुआत करने वाली है। इसका पहला मैच हेडिंग्ले में खेला जाएगा।

टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका, जिस खिलाड़ी से सबसे ज्यादा उम्मीद वही दे रहा धोखा

एजेंसी नॉर्थम्प्टन

भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट मैच शुरू हो चुका है। इस मैच में टॉस इंग्लैंड के कप्तान जेम्स रियू ने जीता और टीम इंडिया को पहले बल्लेबाजी का न्योता दे दिया। इस मैच में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ओपनिंग करने के लिए मैदान पर उतरी। लेकिन जायसवाल का प्रदर्शन इस मुकाबले की पहली पारी में कुछ खास नहीं रहा। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ यशस्वी जायसवाल सिर्फ 26 गेंदों में सिर्फ 17 रन बनाकर आउट हो गए। टेस्ट फॉर्मेट में भारतीय टीम के लिए जायसवाल बेहद भरोसेमंद खिलाड़ी हैं लेकिन सीरीज से ठीक पहले उनका ऐसे फ्लॉप होना टीम इंडिया की दिक्कतें बढ़ा रहा है। इंडिया ए ने 28 रन पर ही अपना पहला विकेट खो दिया। यशस्वी जायसवाल का बल्ला इस मैच में नहीं चला। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके लगाए। क्रिस वोक्स ने जायसलवाल को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। यशस्वी जायसवाल का यह फ्लॉप शो टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने वाली है। इससे पहले जायसवाल का फॉर्म में न होना टीम के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इससे पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन अच्छा रहा था। पहली पारी में उन्होंने 55 गेंदों में 24 रन बनाए थे। इस पारी में उन्होंने तीन चौके और एक छक्का लगाया था। दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल ने अर्धशतक लगाया था। उन्होंने 60 गेंदों पर 64 रन बनाए थे। इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए थे। भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून होने के कारण राहुल ने टेस्ट टीम से पहले अभ्यास के लिये ब्रिटेन पहुंचने का फैसला किया। पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम शुक्रवार को मुंबई से रवाना होगी। इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं। राहुल ने 58 टेस्ट में 33.57 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्ष क्रम में मिली है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है।

गार्डन में घूम रहे हैं... लोगों से भरे एयरपोर्ट पर रोहित शर्मा को लेकर क्या बोल गए ऋषभ पंत

एजेंसी नई दिल्ली

रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद क्रिकेट फैंस काफी परेशान थे। फैंस को उनकी वो बातें बहुत याद आएंगी, जो अक्सर स्टंप माइक में कैद हो जाती थीं। भारत और इंग्लैंड के बीच विशाखापत्तनम में हुए दूसरे टेस्ट मैच के दौरान उनकी वो बात कौन भूल सकता है, जब उन्होंने कहा था कि कोई गार्डन में घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए। रोहित और विराट कोहली के बिना भारतीय टीम इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। ऋषभ पंत, जो अब टेस्ट टीम के उप-कप्तान हैं, मुंबई एयरपोर्ट पर पत्रकारों से मजाक करते हुए दिखे। उनसे रोहित शर्मा के बारे में पूछा गया, जिसके जवाब ने सबको हंसा दिया। ऋषभ पंत से एक पत्रकार ने पूछा, 'रोहित भाई कहां हैं?' इस पर पंत ने जवाब दिया, 'गार्डन में घूम रहे हैं।' उनका ये जवाब सुनकर सब हंस पड़े। जब पंत से पूछा गया कि क्या उन्हें रोहित की कमी खलेगी, तो उन्होंने हां में जवाब दिया। 38 साल के रोहित शर्मा की ये बात 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम टेस्ट के दौरान स्टंप माइक में कैद हुई थी। उन्हें अपने खिलाड़ियों को मैदान पर पर्याप्त ऊर्जा नहीं दिखाने के लिए डांटते हुए सुना गया था। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद रोहित शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो भी डाली थी, जिसके साथ उन्होंने लिखा था, 'गार्डन में घूमने वाले बंदे।' इस फोटो में रोहित, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और सरफराज खान के साथ पोज देते हुए दिखाई दिए। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। दोनों ही पांच मैचों की सीरीज में अच्छा नहीं कर पाए थे। इंग्लैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा से ठीक पहले, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया। रोहित ने 67 टेस्ट मैच खेले, जबकि विराट कोहली ने 123 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान बनाया गया है। वह इंग्लैंड दौरे पर भारत का नेतृत्व करेंगे, जबकि पंत उनके उप-कप्तान होंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होगी। बाकी के चार मैच मैनचेस्टर, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, एजबेस्टन और द ओवल में खेले जाएंगे।

ऋषभ पंत नहीं चले, टीम प्लेऑफ से रही बाहर... बिल फटा जहीर खान पर, संजीव गोयनका लेंगे फैसला

एजेंसी नई दिल्ली

लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर जहीर खान मुश्किल में हैं। संजीव गोयनका की टीम आईपीएल 2025 में छठे नंबर पर रही। टीम के कप्तान ऋषभ पंत कप्तान थे। टीम 14 में से सिर्फ 6 मैच जीत पाई। खबर है कि जहीर खान का कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। टीम के अंदर कुछ लोग उनसे खुश नहीं हैं। ऐसे में लखनऊ के खराब खेल का पूरा बिल जहीर खान पर फटता हुआ नजर आ रहा है। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स अच्छा नहीं कर पाई। गौतम गंभीर के केकेआर में जाने के बाद जहीर को टीम का मेंटर बनाया गया था। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, जहीर को एक साल का कॉन्ट्रैक्ट मिला था। अब यह कॉन्ट्रैक्ट शायद आगे न बढ़े। जस्टिन लैंगर टीम के हेड कोच हैं। ऐसा माना जा रहा है कि टीम और मैनेजमेंट में कुछ लोग जहीर से नाखुश हैं। पहले खबरें थीं कि लैंगर को हटाया जा सकता है। लेकिन अब जहीर खान पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। पिछले दो सीजन से लखनऊ प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई है। लखनऊ अगले आईपीएल के लिए तैयारी कर रही है। टीम में बड़े बदलाव हो सकते हैं। अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन अंदर कुछ तो चल रहा है। सोशल मीडिया पर तस्वीरों से पता चलता है कि जहीर की कप्तान ऋषभ पंत के साथ अच्छी दोस्ती थी। लेकिन पंत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने आखिरी मैच में शतक जरूर लगाया। 14 मैचों में पंत ने सिर्फ 269 रन बनाए। इस वजह से फैंस और एक्सपर्ट्स ने उनकी आलोचना की। टीम के अंदर जहीर खान को लेकर असंतोष है। इसका मतलब है कि कुछ लोग उनसे खुश नहीं हैं। यह असंतोष क्यों है, यह अभी तक साफ नहीं है। लेकिन माना जा रहा है कि टीम के प्रदर्शन से कुछ लोग निराश हैं। जहीर खान टीम को बेहतर बनाने में सफल नहीं रहे। इसलिए उनका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। जस्टिन लैंगर टीम के हेड कोच हैं। पहले खबरें थीं कि उन्हें हटाया जा सकता है। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि जहीर खान पर गाज गिर सकती है। लैंगर को लेकर भी कुछ सवाल उठ रहे हैं। लेकिन मैनेजमेंट जहीर खान से ज्यादा निराश है। लखनऊ पिछले दो सीजन से प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई है। प्लेऑफ में पहुंचने का मतलब है कि टीम टॉप चार में शामिल नहीं हो पाई। यह टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन नहीं है। टीम के मालिक संजीव गोयनका इससे खुश नहीं हैं। इसलिए टीम में बदलाव की उम्मीद है।

व्यापार

अब भारत ने जले पर छिड़क दिया नमक... एलन मस्क की स्टारलिंक को मंजूरी से ट्रंप को कैसे लगेगी मिर्च

एजेंसी नई दिल्ली

उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए लाइसेंस मिल गया है। स्टारलिंक दूरसंचार विभाग (DoT) से इस तरह का लाइसेंस पाने वाली तीसरी कंपनी बन गई है। इससे भारत में सैटेलाइट के जरिए संचार सेवाओं का विस्तार होगा। भारत में स्टारलिंक को मंजूरी ऐसे समय में मिली है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क आमने-सामने हैं। मस्क ट्रंप की टैरिफ नीतियों का खुलकर विरोध करने लगे हैं। यह अमेरिका से लेकर चीन तक फैले उनके कारोबारी साम्राज्य पर असर डाल रहा है। भारत के कदम से मस्क की चिंगारी से जले बैठे ट्रंप को जरूर मिर्च लगेगी। हाल में ट्रंप ने भारत को ठेस पहुंचाने वाली कई चीजें की हैं। इनमें बार-बार यह दावा करना कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारत ने उनके हस्तक्षेप के बाद सैन्य कार्रवाई रोकी भी शामिल है। यही नहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान को आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक जैसे ग्लोबल संस्थानों के जरिये कर्ज देकर भी आर्थिक रूप से मदद की गई है। भारत इस मदद का विरोध करता रहा है। उसे डर है कि इस पैसे का इस्तेमाल पाकिस्तान सीमा पार आतंक के लिए करेगा। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक अब भारत में भी अपनी सुपर-फास्ट इंटरनेट सेवा शुरू कर पाएगी। भारत सरकार ने स्टारलिंक को जरूरी मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि स्टारलिंक अब भारत में अपनी सेवा शुरू करने के लिए तैयार है। स्टारलिंक 100 से ज्यादा देशों में पहले से ही मौजूद है। यह उन जगहों पर तेज इंटरनेट देने का वादा करता है जहां आम इंटरनेट ठीक से नहीं चलता। अब उन इलाकों को भी इंटरनेट मिलेगा जहां पहले इंटरनेट नहीं था। यह वनवेब और रिलायंस जियो के साथ उन तीन कंपनियों में से एक है जिनके पास भारत में यह जरूरी टेलीकॉम लाइसेंस है। कंपनी को सरकार के टेलीकॉम विभाग से लेटर ऑफ इंटेंट (LoI) भी मिला है। इसे शुरुआती हरी झंडी समझ सकते हैं। यह घटनाक्रम काफी महत्वपूर्ण है। खासकर यह देखते हुए कि अभी एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। स्टारलिंक की भारत में उपस्थिति मस्क के ग्लोबल प्रभाव और पहुंच को और बढ़ाएगी। यह ट्रंप के लिए चिंता का विषय हो सकता है जो अमेरिकी कंपनियों के प्रभाव को अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप देखना चाहते हैं। मस्क का स्वतंत्र रूप से काम करना ट्रंप को पसंद नहीं आएगा। ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' पॉलिसी के तहत भारत-अमेरिका संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं। लेकिन, ट्रंप की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद इसमें बड़ी भूमिका निभाती है। यदि भारत महत्वपूर्ण तकनीकी साझेदारियों को आगे बढ़ाता है जिसमें मस्क की कंपनियां शामिल हैं तो यह ट्रंप के लिए एक संकेत हो सकता है कि भारत अपनी भू-राजनीतिक और आर्थिक रणनीति में स्वतंत्र रूप से निर्णय ले रहा है, भले ही यह उनके व्यक्तिगत समीकरणों के खिलाफ हो। भारत एक विशाल और तेजी से बढ़ता हुआ डिजिटल बाजार है। स्टारलिंक को यहां मंजूरी मिलना एलन मस्क की कंपनियों के लिए बड़ी जीत है। अगर ट्रंप भविष्य में अमेरिका के व्यापारिक हितों की बात करते हैं तो भारत के साथ यह समझौता उनके लिए 'चुटकी' का काम कर सकता है, खासकर अगर उन्हें लगता है कि मस्क के साथ उनके बिगड़ते संबंधों के कारण यह उनके एजेंडे के खिलाफ है।

ठगों के झांसे में नहीं आएं, स्टेट बैंक के कर्मचारी सिर्फ इन्हीं नंबरों से फोन करेंगे

एजेंसी नई दिल्ली

आजकल साइबर धोखाधड़ी (Cyber Fraud) के मामले बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए, देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने एक जरूरी सूचना जारी की है। यह सूचना उन फ़ोन कॉल्स के बारे में है जो +91-1600 से शुरू होने वाले नंबरों से आती हैं। SBI चाहता है कि उसके ग्राहक डिजिटल बैंकिंग करते समय सुरक्षित रहें। बैंक ने साफ़ कर दिया है कि ग्राहक इन नंबरों से आने वाली कॉल्स पर भरोसा कर सकते हैं। ये नंबर सिर्फ़ लेन-देन और सर्विस से जुड़ी कॉल्स के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने जनवरी में सभी बैंकों और दूसरी वित्तीय संस्थाओं को एक आदेश दिया था। इस आदेश में कहा गया था कि ग्राहकों को कॉल करने के लिए "1600xx" सीरीज़ वाले नंबरों का ही इस्तेमाल किया जाए। ये नंबर लेन-देन या सर्विस देने के लिए इस्तेमाल होंगे। RBI ने यह भी कहा कि "140xx" नंबर सीरीज का इस्तेमाल सिर्फ़ मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए किया जाए। इससे ग्राहकों को असली और नकली कॉल्स में फर्क करने में मदद मिलेगी। वे SMS या फ़ोन कॉल के ज़रिए होने वाले धोखे से बच सकेंगे। SBI ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट किया। इसमें लिखा था, "अगर आपको +91-1600 से शुरू होने वाले नंबर से कॉल आती है, तो निश्चिंत रहें- यह एक असली और वैध कॉल है। ये नंबर ग्राहकों को लेन-देन और सर्विस से जुड़ी कॉल्स करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे आपको असली और धोखे वाली कॉल्स में फर्क करने में मदद मिलती है। अनजान कॉल्स से सावधान रहें और साइबर धोखाधड़ी से खुद को बचाएं।" ये हैं नंबर SBI ने उन आधिकारिक नंबरों की एक लिस्ट भी जारी की है, जिनका इस्तेमाल बैंक ग्राहकों से बात करने के लिए करता है। ये नंबर हैं:1600-01-8000
1600-01-8003
1600-01-8006
1600-11-7012
1600-11-7015
1600-01-8001
1600-01-8004
1600-01-8007
1600-11-7013
1600-00-1351
1600-01-8002
1600-01-8005
1600-11-7011
1600-01-7014
1600-10-0021
SBI ग्राहकों को सलाह देता है कि वे अनजान या संदिग्ध कॉल्स से सावधान रहें। अगर कोई नंबर ऊपर बताए गए पैटर्न से अलग है, तो उससे बात न करें। SBI का यह कदम डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को देखते हुए उठाया गया है।

युद्ध से जूझ रहे इस देश के पास है दुनिया का सबसे बड़ा गैस भंडार, दूर-दूर तक कोई नहीं टक्कर में

एजेंसी नई दिल्ली

दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे बड़ा गैस भंडार किस देश के पास है? इसका जवाब है रूस। एरिया के हिसाब से दुनिया के सबसे बड़े देश रूस के पास 47,798 घन किमी गैस का ज्ञात भंडार है। रूस पिछले कई साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में फंसा है। उसके पास कच्चे तेल का भी बड़ा भंडार है और यूक्रेन युद्ध के बाद वह भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। तब रूस ने भारत और चीन को डिस्काउंट पर कच्चा तेल बेचना शुरू किया था। रूस के बाद ईरान के पास गैस का सबसे बड़ा भंडार है। इस देश के पास 33,980 घन किमी गैस भंडार है। लेकिन रूस की तरह ईरान पर भी तेल और गैस बेचने पर अमेरिका ने पाबंदी लगा रखी है। दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल ईरान में ही मिलता है। ईरान के बाद कतर अरब तीसरे नंबर पर है जिसके पास 23,871 घन किमी गैस भंडार है। कतर भारत में गैस का सबसे बड़ा सप्लायर है। इसके बाद सऊदी अरब का नंबर है। इस खाड़ी देश के पास 15,910 घन किमी गैस भंडार है। दुनिया में कच्चे तेल के सबसे बड़े उत्पादक अमेरिका के पास गैस का 13,167 घन किमी ज्ञात भंडार है। इसके बाद तुर्कमेनिस्तान (11,326 घन किमी), चीन (6,654 घन किमी), यूएई (6,088 घन किमी), नाइजीरिया (5,748 घन किमी), वेनेजुएला (5,663 घन किमी), अल्जीरिया (4,502 घन किमी), इराक (3,788 घन किमी) और ऑस्ट्रेलिया (3,228 घन किमी) का नंबर है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा